# फिल्म समीक्षा

**स्वाती शर्मा**

**फ़िल्म शीर्षक** **उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक**
**फ़िल्म निर्देशक** **आदित्य धर**
**फ़िल्म-जारी तिथि** **11 जनवरी 2019**

बॉलीवुड में देशभक्ति जैसे संवेदनात्मक विषय पर फिल्म बनाकर दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ने का फॉर्मूला दशकों से चलता आ रहा है। लेकिन उरी जैसी फिल्म की सबसे खास बात यही है कि यह एक सच्ची घटना पर आधारित है। पाकिस्तान ने सोते हुए निहत्थे भारतीय जवानों पर अंधाधुंध गोलाबारी कर जो उरी अटैक को अंजाम दिया था यह फिल्म उसी के बदले की कहानी है, जो कि सितंबर 2016 में भारतीय आर्मी द्वारा एल.ओ.सी. के पार जाकर लिखी गई।

उरी की कहानी भारतीय जवान 'विहान शेरगिल' के इर्द गिर्द घूमती है कि कैसे वह सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम देता है। अपनी मां से ऊपर धरती मां के लिए भारतीय जवान किस तरह अपनी जान को जोखिम में डालते हैं यह पर्दे पर देखना देशभक्ति के भाव को बढ़ा देता है और हर फौजी के सामने खुद-ब-खुद आपका सिर झुका देता है। फिल्म के संवाद भी दमदार हैं। अपने फौजी पिता के शहीद होने पर एक छोटी मासूम बच्ची का 'वॉर क्राय' गाना आपके रोंगटें खड़े कर देगा। एक्शन सीक्वेंस में विक्की कौशल, यामी गौतम, मोहित रैना का काम सराहनीय है। एनएसए के चीफ गोविंद में परेश रावल जमें है। फिल्म में राजनैतिक प्रचार जरूरत से ज्यादा है। यह इसकी कमजोर कड़ी माना जा सकता है। 2019 के चुनावों के मुद्देनजर फिल्म रिलीज होना राजनैतिक एजेन्ड़े को बताता है। बहरहाल, मशीनगन, बहादुर सैनिक, ड्रोन टैक्नोलौजी जैसी जरूरी बातें दर्शकों को अंत तक बांधे रखने में सफल हुई है।